भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

13.08.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 5033

आणविक खनिज भंडार

5033. श्री बैजयंत जे. पांडा:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में आणविक खनिज भंडारों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या आणविक भंडारों को विद्युत उत्पादन के सिवाय किसी भी उद्देश्य हेतु प्रयोग करने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) मई, 2014 की स्थिति के अनुसार, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने, देश में, 2,11,473 मीटरी टन स्वस्थाने U_3O_8 (1,79,329 मीटरी टन यूरेनियम) भंडारों और मोनाज़ाइट के लगभग 1.07 मिलियन टन थोरियम ऑक्साइड (ThO_2) युक्त 11.93 मिलियन मीटरी टन स्वस्थाने स्त्रोतों का पता लगाया है।

(ख) जी, हाँ।

(ग) इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल), जोकि, परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन और भारत सरकार के 100 प्रतिशत स्वामित्व वाला सरकारी क्षेत्र का एक उपक्रम है, के पास, पुलिन बालू से परमाणु खनिजों का उत्पादन करने के लिए मानवलाकुरिचि, तमिलनाडु, चवारा, केरल तथा ऑस्कॉम, ओडिशा में, तीन खनन तथा खनिज पृथक्करण संयंत्र हैं। विद्युत उत्पादन के अतिरिक्त, परमाणु खनिजों का उपयोग, विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोगों, जैसेकि, टाइटेनियम डाई-ऑक्साइड (TiO2) पिग्मेंट का विनिर्माण, वैल्डिंग इलैक्ट्रोडों में अभिवाह, टाइटेनियम धातु, मृत्तिका, सैनेटरी वेयर, इलैक्ट्रॉनिक कैपेसिटर आदि में किया जाता है।

(घ) ऊपर (ग) के मद्दे नज़र यह प्रश्न ही नहीं उठता।

* * * * * * *